भावना – बुजुर्गों का परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, कसमन्डा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हज़रतगंज, लखनऊ – 226001, भारत

फोनः +91-522-4016048 वेबसाइटः www.bhavanaindia.org ई.मेलः bhavanasindia@gmail.com

भावना का बाइसवाँ वार्षिक महाधिवेशन सोल्लास सम्पन्न

उत्तर प्रदेश में **माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007** एवं **उत्तर प्रदेश माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण तथा कल्याण नियमावली 2014** तथा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** के प्राविधानों को येन केन प्रकारेण यथाशीघ्र पूर्णतः लागू कराना **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)** के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य था और आगे भी रहेगा। यह घोषणा रविवार, 13 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुए **भावना** के **बाइसवें वार्षिक महाधिवेशन** में सर्वसम्मति से की गई। इस अवसर पर भावना–सदस्यों के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों की तथा उनका हित–चिन्तन करने वाली कई अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक में इन ज्वलंत तथ्यों पर विचार किया गया कि वर्तमान समय में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश में कुल आबादी की 11 प्रतिशत है जो वर्ष 2050 तक बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगी, अर्थात प्रत्येक पांच में एक व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक होगा। 73 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक निरक्षर हैं तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। 70 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक ग्रामों में रहते हैं। 66 प्रतिशत इतने गरीब हैं कि उन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं है। अनपढ़ होने के कारण उन्हें जीविकोपार्जन हेतु शारीरिक श्रम पर ही निर्भर होना पड़ता है। इतना भयावह परिदृश्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के प्रति अब तक पूर्णतः उदासीन रही है। विचारोपरांत बैठक में वरिष्ठ नागरिकों के हित के 10 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए तथा निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में **भावना** द्वारा इन के अनुरूप ही यथावान्छित कार्यवाही की जाएगी। **भावना** द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की तथा उनका हित–चिन्तन करने वाली अन्य संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के हर नगर एवं ग्राम में बिना जाति, धर्म, वर्ण, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति का भेद किए सभी वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने के प्रयास किए जायेंगे ताकि वे उन सुविधाओं से वंचित न रहें जो शासन से उन्हें पहले से ही अनुमन्य हैं तथा उन सुविधाओं की वे साधिकार माँग कर सकें जो उन्हें मिलनी चाहिए।

सभा को **भावना** द्वारा **यमुना एक्सप्रेस वे इन्डस्ट्रियल डेवेलपमेंट ॲथारिटी (YEIDA)** की टाउनशिप में 3250 वर्गमीटर विकसित भूखंड पर बनने जा रहे सर्व–सुविधायुक्त **BHAVANA HAPPY HOME OF ELDERS** की अद्यतन स्थिति के बारे में विस्तार से बताया गया तथा उपस्थित/अनुपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों से अनुरोध किया गया कि वे इस परियोजना का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करें ताकि दिल्ली व एन.सी.आर. में एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वरिष्ठ नागरिक दम्पति इस भवन में निवास करने के बारे में विचार कर सकें। **इस भवन का भूमि–पूजन आगामी 02 अप्रैल, 2022 को प्रस्तावित है।**

भावना द्वारा निर्बल एवं असहाय जनों के हित में चलाए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्प यथावत जारी रखने का निर्णय भी इस बैठक में लिया गया। तदनुसार समिति द्वारा प्रायोजित एवं वित्त–पोषित **शिक्षा सहायता योजना** का लाभ आगामी शिक्षा–सत्र में भी कक्षा 8 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ़ रहे कम से कम 100 गरीब मेधावी बच्चों को 1200 रुपए की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान सत्र में **भावना** से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 8 तथा 9 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 9 तथा 10 में पढ़ने के लिए 1800 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। इसी प्रकार वर्तमान सत्र में **भावना** से सहयोग प्राप्त जो बच्चे कक्षा 10 व 11 की परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे उन्हें क्रमशः कक्षा 11 तथा 12 में पढ़ने के लिए 2000 रुपए की दर से सहयोग दिया जाएगा। शहरी तथा ग्रामीण गरीब एवं विकलांग जनों के हित की सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने हेतु **भावना** उनके तथा शासन

क्रमशः.....2

तंत्र के बीच सकारात्मक कड़ी का काम करेगी। आगामी शीत ऋतु में लखनऊ जनपद तथा निकटवर्ती अन्य जनपदों के नगरीय तथा ग्रामीण इलाकों में भिन्न भिन्न स्थानों पर **निर्धन–जन सेवा शिविर** आयोजित करके कम से कम 800 पूर्व–चिन्हित निर्धन परिवारों को प्रति परिवार एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाएगा तथा कम से कम 2000 निर्धन पुरुषों–महिलाओं–बच्चों को पहनने–ओढ़ने–बिछाने के ऊनी–सूती कपड़े, बर्तन आदि दिए जायेंगे।

अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में **भावना** के वयोवृद्ध सदस्यों, **माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री दिनेश चन्द्र वर्मा, डॉ. यदुनाथ सिंह भदौरिया, श्री वीरेन्द्र मोहन सक्सेना, श्री राजेन्द्र सिंह राठौर, डॉ. शिवाधीन त्रिपाठी, श्री सुरेन्द्र श्रीवास्तव, श्री शैलेन्द्र मोहन दयाल** तथा **श्री लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी** का माला एवं अंगवस्त्र पहनाकर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम में **भावना** के निम्नलिखित सदस्यों को प्रशस्ति लेख तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया क्योंकि उनके कार्य सत्र 2021–22 में अति उत्तम पाए गए:

1. श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. एवं येडा शाखा।
2. श्री सतपाल सिंह महासचिव(एडवोकेसी)।
3. श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव(कार्यान्वयन)।
4. श्री राजेन्द्र कुमार चुघ, कोषाध्यक्ष।
5. श्री जगमोहन लाल जायसवाल, उपमहासचिव(प्रशासन)।
6. श्री राम मूर्ति सिंह, प्रबंधकारिणी सदस्य।
7. **भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फ़ाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा)** तथा **सचिव श्री विशाल सिंह।**

समारोह में **भावना** के **शिक्षा सहायता कार्यक्रम** के अंतर्गत प्रतीक स्वरूप कुछ चुने हुए छात्रों/छात्राओं को **शिक्षा सहायता राशि/पुरस्कार राशि** का वितरण भी किया गया। कोरोना प्रोटोकोल का निर्वाह करते हुए सभी बच्चों को समारोह में नहीं बुलाया गया था।

समारोह में समिति की त्रैमासिक पत्रिका भावना–संदेश के प्रधान सम्पादक, **श्री अमर नाथ**, द्वारा रचित निम्नांकित तीन पुस्तकों का मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं अध्यक्ष द्वारा लोकार्पण भी किया गया:

खट्टी–मीठी, दोहा गाथा तथा **गायन्ति देवाः किल गीतकानि**

बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति अब यथाशीघ्र अपना कार्यालय भवन अर्जित करेगी। इसके लिए 80 लाख रुपए का **"कार्यालय भवन निर्माण कोष"** घोषित किया गया। बैठक में उपस्थित अथवा अनुपस्थित सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे इस कोष के लिए यथा–सामर्थ्य अधिक से अधिक धनराशि का सहयोग प्रदान करें ताकि 80 लाख रुपए का लक्ष्य शीघ्र प्राप्त हो जाए। इस मद में निम्नलिखित सदस्यों ने उनके नाम के सम्मुख अंकित धनराशि का सहयोग दे दिया है अथवा देने का संकल्प व्यक्त किया है:

1. न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ – **दो लाख रुपए का सहयोग प्रदान कर दिया है।**
2. श्री सतपाल सिंह, महासचिव(एडवोकेसी) – **दो लाख रुपए का सहयोग कल 14 मार्च, 2022 को दे देंगे।**
3. श्री विनोद कुमार शुक्ल, राष्ट्रीय अध्यक्ष – दो लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।
4. श्री ओ.पी. गाध्यान, विशिष्ट सदस्य, गुरुग्राम – दो लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।
5. श्री मनोज कुमार गोयल, सम्प्रेक्षक – दो लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।
6. श्री सुशील शंकर सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष – एक लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।
7. श्री राम लाल गुप्ता, उपाध्यक्ष – एक लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।
8. श्री सत्य देव तिवारी, उप महासचिव(एडवोकेसी) – एक लाख रुपए का सहयोग शीघ्र देंगे।

समारोह के मुख्य अतिथि, **पूर्व गृह सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, माननीय श्री जगन्नाथ सिंह, आई. ए.एस. (सेवा निवृत्त)** ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्हें यह देख कर प्रसन्नता हो रही है कि **भावना** अपने सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा कर रही है। इससे उनका मन संतुष्ट एवं प्रफुल्लित होता होगा तथा निराशावादी विचार उनके पास आ भी नहीं पाते होंगे। उन्होंने **भावना** के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि **भावना** इसी विचारधारा पर कार्य कर रही है और कदाचित इसी लिए इस संस्था से जुड़े बुजुर्गों में इतना उत्साह तथा इतनी ताजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि **भावना** के सदस्य दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर काम करते हैं और इसीलिए इनके अंदर

क्रमशः.....3

इतना अधिक सेवाभाव है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश, उत्तर प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त, न्यायमूर्ति श्री सुधीर चन्द्र वर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि वे वर्ष 2003 से **भावना** के कार्य–कलापों को निकट से देख रहे हैं। उन्हें प्रसन्नता होती है कि **भावना** अपने सदस्यों के माध्यम से निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रही है। इसी लिए वे स्वयं भी समिति के सदस्य बन कर इसके सेवा कार्यों में यथा–सामर्थ्य अपना योगदान देते रहते हैं। सभाध्यक्ष, **उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री करण लाल शर्मा** ने भी अपने सम्बोधन में कहा कि वे **भावना** द्वारा किए जा रहे समाज सेवा के कार्यों से अभिभूत हैं और इसी लिए वे भी समिति को यथासामर्थ्य सहयोग देते रहते हैं।

सभा को मंचासीन अन्य विशिष्ट जनों एवं **भावना** के उन वयोवृद्ध सदस्यों ने भी सम्बोधित किया जिनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए **भावना** के अध्यक्ष, श्री विनोद कुमार शुक्ल ने भारत में वर्तमान समय में हो रही वरिष्ठ नागरिकों की दुर्दशा पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए कहा कि **भावना–आन्दोलन** उनकी दशा सुधारने की दिशा में एक विनम्र किन्तु सुदृढ़ प्रयास है। प्रमुख महासचिव श्री ओम प्रकाश पाठक ने **भावना** द्वारा गत एक वर्ष में किए गए जनहितकारी कार्यों का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा भविष्य की योजनायें बताईं। कार्यक्रम का संचालन साहित्यभूषण श्री देवकी नन्दन 'शांत' द्वारा अत्यंत कुशलता पूर्वक किया गया।

(विनोद कुमार शुक्ल)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मो. 9335902137